CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 297 □ रायपुर, रविवार 22 नवम्बर 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

अमेरिकाः विमान में घुसे नकाबपोश अधिकारी, मां के सामने बेटी को ले गए

नई दिल्ली, 22 नवम्बर (न्यूज चैनल)। अमेरिका के सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को आव्रजन (इमिग्रेशन) अधिकारियों ने दो यात्रियों को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने अपने चेहरे ढक रखे थे। उन्होंने यात्रियों के विमान

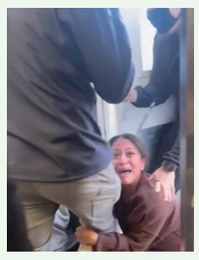

में सवार होने के दौरान यह कार्रवाई की। इससे वहां अफरातफरी मच गई। इस कारण लॉस एंजिलिस जाने वाली उड़ान में देरी हुई। एयरलाइन अधिकारियों और स्थानीय नेताओं ने भी इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। यह घटना उस समय हुई, जब यात्री अलास्का एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1306 में सवार हो रहे थे। इस विमान को सुबह 8:10 बजे रवाना होना था। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अधिकारी जमीन पर गिरे एक व्यक्ति को काबू करने की कोशिश करते दिखे। इस दौरान आसपास यात्री अपना सामान लेकर खड़े थे। एक महिला चिल्ला रही थी कि अधिकारी उसकी बेटी को ले जा रहे हैं। उसने यह भी कहा कि उसकी बेटी के पास काम करने का परमिट है।

गुजरातः जूनागढ़ में कार में आग लगने से तीन जिंदा जले, केशोद-बालागाम रोड पर हुआ दर्दनाक हादसा; एक युवती घायल



नई दिल्ली, 22 नवम्बर (न्यूज चैनल)। गुजरात के जूनागढ़ जिले में केशोद-बालागाम रोड पर रविवार को खमीदाणा गांव के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद कार में अचानक भीषण आग लग गई और देखते ही देखते वाहन आग के गोले में तब्दील हो गया। इस दर्दनाक हादसे में कार में सवार तीन लोगों की जिंदा जलने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार से बाहर छिटककर गिरी एक युवती की जान बच गई। हालांकि, युवती गंभीर रूप से घायल है। जानकारी के अनुसार, कार केशोद-बालागाम रोड से गुजर रही थी। इसी दौरान खमीदाणा गांव के पास चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे तेज रफ्तार कार सड़क पर पलट गई। कार के पलटते ही उसमें आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कार में सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। देखते ही देखते पूरी कार आग की लपटों से घिर गई। हादसे के दौरान एक युवती कार से बाहर छिटककर दूर जा गिरी, जिससे उसकी जान बच गई। घटना में गंभीर रूप से घायल युवती को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से केशोद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने अस्पताल में युवती का तत्काल उपचार शुरू कर दिया।

मुंबई की रिहायशी इमारत में लगी आगः दो बच्चों समेत आठ लोगों को बचाया गया; दमकल अधिकारी घायल

नई दिल्ली, 22 नवम्बर (न्यूज चैनल)। दक्षिण मुंबई में रविवार को एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में आग लग गई। इस हादसे में दो बच्चों समेत आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग बुझाने के दौरान दमकल विभाग का एक अधिकारी घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आग रात को नवजीवन सोसायटी के पास गिल्डर लेन



स्थित हीरा मंजिल की दूसरी मंजिल के एक कमरे में लगी। दमकलकर्मियों ने करीब पांच घंटे तक आग बुझाने का काम किया। इसके बाद सुबह 5:05 बजे आग पर काबू पाया गया। दमकलकर्मियों ने तीसरी मंजिल पर फंसे एक पुरुष और दो महिलाओं को बचाया। इसके लिए टर्नटेबल सीढ़ी का इस्तेमाल किया गया। वहीं, पहली मंजिल पर फंसी एक बुजुर्ग महिला को सीढ़ियों के रास्ते बाहर निकाला गया। इसके अलावा, चौथी मंजिल के एक कमरे में चार लोग फंसे थे। इनमें एक पुरुष, एक महिला, एक लड़का और एक लड़की शामिल थे। सभी को सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित नीचे लाया गया।

मुख्यमंत्री साय से चर्चा के बाद पटवारियों की हड़ताल स्थगित

मुख्यमंत्री ने पटवारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए उच्चस्तरीय समिति गठित करने के दिए निर्देश

रायपुर, 22 नवम्बर (हाईवे चैनल)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और सकारात्मक संवाद के बाद छत्तीसगढ़ पटवारी संघ ने अपनी राज्यव्यापी हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज मुख्यमंत्री निवास में पटवारी संघ के पदाधिकारियों की औपचारिक मुलाकात हुई ।



पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा करते हुए अपनी मांगों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री साय ने उनकी समस्याओं को पूरे धैर्य और सहानुभूति के साथ सुना। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कर्मचारियों की उचित मांगों का समाधान संवाद और आपसी समझ से ही होना चाहिए। राज्य सरकार अपने कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। मुख्यमंत्री साय ने पटवारियों की वेतन विसंगति एवं पदोन्नति संबंधी मांगों के परीक्षण के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए। यह समिति संबंधित मांगों के विभिन्न पहलुओं का परीक्षण कर उनके निराकरण के संबंध में अपनी अनुशंसाएं प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री साय ने हड़ताल अवधि में हुई कार्यवाहियों के सम्बन्ध में सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान संवाद और आपसी समझ के माध्यम से किया जाना चाहिए। राज्य सरकार कर्मचारियों की उचित मांगों और समस्याओं के निराकरण के प्रति संवेदनशील है। छत्तीसगढ़ पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री साय द्वारा उनकी मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाने तथा उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जेईई मेन और 12वीं बोर्ड परीक्षा की तारीखों में टकराव

छात्रों की बढ़ी चिंता, तैयारी के लिए पर्याप्त समय की मांग



रायपुर, 22 नवम्बर (हाईवे चैनल)। जेईई मेन 2027 सीजन-2 और छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा की तारीखों में संभावित टकराव को लेकर विद्यार्थियों की चिंता बढ़ गई है। दोनों परीक्षाओं का कार्यक्रम लगभग एक ही अवधि में होने के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 12वीं के विद्यार्थियों के सामने परेशानी खड़ी हो सकती है। विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी और सीजीबीएसई से परीक्षा कार्यक्रम में समन्वय करने की मांग की है।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, जेईई मेन 2027 सीजन 2 की परीक्षा 2 अप्रैल से 7 अप्रैल 2027 के बीच आयोजित होने की अवधि बताई जा रही है। वहीं, सीजीबीएसई कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 12 मार्च से 8 अप्रैल 2027 तक निर्धारित बताई गई हैं। ऐसे में दोनों परीक्षाओं की तारीखों में सीधा टकराव होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि 3 अप्रैल को जेईई मेन की परीक्षा अवधि के दौरान कुछ विषयों की बोर्ड परीक्षा हो सकती है। वहीं, 5 अप्रैल को भौतिकी, 6 अप्रैल को कुछ व्यावसायिक विषयों और 7 अप्रैल को कुछ क्षेत्रीय भाषाओं की परीक्षाएं निर्धारित की गई है। यदि किसी विद्यार्थी की दोनों परीक्षाएं एक ही दिन पड़ती हैं, तो उसके सामने दोनों में शामिल होने की चुनौती होगी।

सड़कों की बदहाली पर कांग्रेस का हमला

बैज बोले- 'मरम्मत तक नहीं कर पा रही सरकार' बघेल का आरोप- '16 हजार करोड़ के काम रोके गए'

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, 22 नवम्बर (हाईवे चैनल)। प्रदेश सहित पूरे गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में सड़कों की जर्जर स्थिति को लेकर कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अलग-अलग बयानों में बिलासपुर-जबलपुर नेशनल हाइवे सहित प्रदेश के प्रमुख मार्गों की खराब हालत, निर्माण में देरी और स्वीकृत कार्यों को रोके जाने के आरोप लगाए हैं।



पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बिलासपुर-जबलपुर नेशनल हाइवे जिले को जोड़ने वाला सबसे अहम मार्ग है, लेकिन ठेकेदार और संबंधित विभाग की नाकामी के कारण यह पिछले तीन वर्षों से निर्माणाधीन है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले के लगभग 80 किलोमीटर लंबे मरवाही मार्ग का जिक्र करते हुए बैज ने कहा कि तीन साल में भी यह सड़क नहीं बन सकी है। उनके मुताबिक, एक साल पहले भी इस मार्ग की स्थिति बेहद खराब थी और आज भी उस पर चलने के लिए हिम्मत जुटानी पड़ती है। खराब सड़कों के कारण जीपीएम जिला एक 'टापू' जैसा बन गया है। बैज ने आगे कहा कि सड़कों की समस्या केवल जीपीएम तक सीमित नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी और उनके गृह जिले जशपुर में भी सड़कें नहीं बन पा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बड़े-बड़े दावे तो करती है, लेकिन न तो नई सड़कें बना पा रही है और न ही मौजूदा सड़कों की मरम्मत या गड्ढे भरने का काम हो पा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी बिलासपुर-गौरेला पेंड्रा मरवाही और बिलासपुर-जबलपुर नेशनल हाईवे सहित पूरे प्रदेश की सड़कों की स्थिति पर सवाल उठाए। बघेल ने कहा कि उनके कार्यकाल में सड़कों के निर्माण के लिए 16,000 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई थी, लेकिन मौजूदा सरकार ने उन कार्यों को रोक दिया। उनके अनुसार, जो काम पहले पूरे हो चुके थे या आधे से अधिक शुरू हो चुके थे, उन्हें तो रोका नहीं जा सका, लेकिन आगे बढ़ने वाले कार्यों को रोक दिया गया है और नई स्वीकृतियां भी नहीं हो पा रही हैं। लोक निर्माण विभाग के कामकाज पर तंज कसते हुए बघेल ने कहा कि विभागीय मंत्री अरुण साव केवल बयानबाजी और सक्रियता दिखा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर काम नहीं हो रहा है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

तेज रफ्तार ट्रक ने कार में मारी टक्कर; दुर्घटना में 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 22 नवम्बर (न्यूज चैनल)। गुजरात के कच्छ जिले में एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रक और कार की टक्कर में सेना के सात परिजनों की जान चली गई, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल थे। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह दुर्घटना शनिवार रात करीब 10 बजे हुई। परिवार कच्छ के रण से भुज लौट रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि सभी सात लोगों की मौके पर ही जान चली गई। मृतकों में तीन महीने की बच्ची



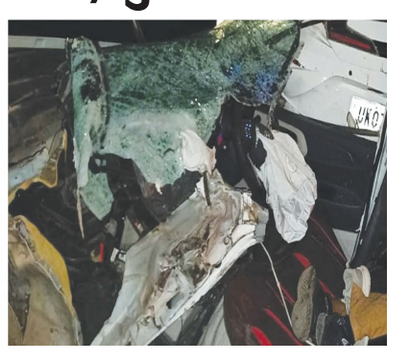

भी शामिल थी। वाहनों की टक्कर इतनी भीषण थी कि शवों को निकालने में कई घंटे लगे। जानकारी के मुताबिक, सभी मृतक उत्तराखंड के गढ़वाल के निवासी थे और भुज में तैनात सेना कर्मियों के परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सौरभ सिंह नेगी (30), सविता (30), उनकी बेटी सिविका (तीन महीने), राजेश सिंह रावत (35), उनकी बेटी रक्षिता (7), रिंकी गोसाईं (30) और उनकी बेटी वामिका (चार साल) के रूप में हुई है।

पति पर भाभी से अवैध संबंध का आरोप लगाना मानसिक क्रूरता हाईकोर्ट ने पत्नी की तलाक के खिलाफ अपील की खारिज

बिलासपुर, 22 नवम्बर (हाईवे चैनल)। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि पति के चरित्र और निष्ठा पर बिना किसी आधार के आरोप लगाना मानसिक क्रूरता है। खासकर जीवनसाथी के अपने परिवार के सदस्य के साथ अवैध संबंध के आरोप वैवाहिक जीवन में गंभीर मानसिक पीड़ा पहुंचाते हैं। जस्टिस पार्थ प्रतिम साहू, जस्टिस सुषमा सावंत की डीबी ने इस आधार पर पत्नी की तलाक के फैसले को चुनौती देने वाली अपील खारिज कर दी।



दुर्ग जिले के राहुल यादव का विवाह 8 दिसंबर 2015 को हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था और 18 सितंबर 2016 को उनके एक पुत्र का जन्म हुआ। कुछ समय बाद पत्नी के आचरण से परेशान होकर पति राहुल ने फैमिली कोर्ट दुर्ग में पत्नी के खिलाफ क्रूरता के आधार पर तलाक का आवेदन प्रस्तुत किया। पति का आरोप था कि विवाह के शुरुआती दिनों से ही पत्नी उसके माता-पिता, दिव्यांग बड़े भाई और भाभी के साथ दुर्व्यवहार करती है। वह परिवार के साथ रहने के बजाय पति पर अलग रहने का दबाव बनाती थी। पत्नी के मायके वाले भी उसे घर जमाई बनकर रहने और उनके व्यवसाय में सहयोग करने के लिए कहते थे।

पति के अनुसार वापस बुलाने के प्रयासों के बावजूद पत्नी ससुराल लौटने को तैयार नहीं हुई। काउंसलिंग के दौरान पति अलग रहने के लिए भी तैयार हुआ, लेकिन पत्नी ने उसके साथ रहने से इनकार करते हुए भरण-पोषण की मांग की। कोर्ट ने पाया कि पत्नी और उसके पिता ने अपनी गवाही में स्वीकार किया है कि पति ने गर्भावस्था के दौरान उसकी देखभाल की, सेक्टर-9 अस्पताल में उपचार और नियमित जांच की व्यवस्था की तथा प्रसव का खर्च भी उठाया था। पत्नी की गवाही से यह भी सामने आया कि वह स्वयं पति के साथ जाने के लिए तैयार नहीं थी और काउंसलिंग के दौरान भी उसने साथ रहने से इनकार किया था।

शराबियों द्वारा किया जाता है प्लास्टिक डिस्पोजल ग्लास में शराब सेवन, शराब दुकानों के आसपास लगा रहता है कचरे का ढेर

खोमचा संचालित होने के बाद भी खुले मे शराबखोरी नहीं हो रही बंद, खोमचा संचालकों द्वारा भी स्वच्छता का नहीं रखा जाता ध्यान

धमतरी, 22 नवम्बर (हाईवे चैनल)। धमतरी जिला शराब खोरी में शुरु से आगे रहा है। यहां बड़ी संख्या में शराब के शौकीन है। जो रोजाना शराब का सेवन करते है। इनके लिए जिले में 27 देशी-विदेशी शराब दुकाने शासन द्वारा संचालित की जा रही है। जहां रोजाना लगभग औसतन 1 करोड़ की शराब की खपत हो जाती है। लेकिन इसके बाद भी शराब दुकानों में कई कमियां मिलती है। या कहे नियमों का पालन पूर्णत: नहीं हो पाता है।

जिले में है 27 देशी-विदेशी शराब दुकानें औसतन रोजना होती है 1 करोड़ के शराब की खपत





धमतरी जिले में स्थित अधिकांश शराब दुकानों में शासन द्वारा खोमचो का संचालन कराया जा रहा है, ताकि शराबी खुलेआम कंही भी शराब न पीये। लेकिन खोमचो में स्वच्छता नहीं होती है और प्लास्टिक डिस्पोजल ग्लास में शराब पिलाई जाती है। और तो और शराब दुकानों के आसपास कई ठेलो गुमटियों में भी चखने के सामान डिस्पोजल सहित मिलते है और लोग शराब का सेवन कर आसपास ही डिस्पोजल ग्लास और अन्य कचरा फेंक देते है। जिससे गंदगी पसरी रहती है। कुछ दुकानों नेशनल व स्टेट हाईवे के किनारे भी होते है तो कुछ दुकाने नहर किनारे भी स्थित है। जहां लोग डिस्पोजल आदि को फेंक कर गंदगी फैलाते है। कुछ दुकानों के पास स्थित खेत व बाड़ियों में भी डिस्पोजल का प्लास्टिक कचरा जो कि नष्ट नहीं होता फैलाते है। ऐसे में नियमों के पालन के साथ ही स्वच्छता के प्रति भी गंभीरता बरतने और कड़ी कार्रवाई की मांग लोगों द्वारा की जा रही है।

प्लास्टिक बॉटल में देशी शराब मिलने से बढ़ा प्लास्टिक वेस्ट

उल्लेखनीय है कि सालों तक छग में देशी शराब कांच की बॉटल में मिलती थी लेकिन इस सत्र से इसमें बड़ा बदलाव कर प्लास्टिक बॉटल में देशी शराब बेचा जा रहा है। एक ओर सरकार द्वारा प्लास्टिक का उपयोग करने व उसके दुष्प्रभाव के प्रति लोगो को जागरुक करने का प्रयास करती है वहीं दूसरी ओर प्लास्टिक बॉटल में शराब बेचकर इसके उपयोग को बढ़ावा भी दे रही है। जब से प्लास्टिक बॉटल में देशी शराब बेची जा रही है। प्लास्टिक वेस्ट की मात्रा बढ़ती जा रही है। जो भविष्य में पर्यावरण के लिए घातक साबित हो सकता है।